



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]
No. 87]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 24, 1991/वैशाख 4, 1913
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 24, 1991/VAISAKHA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्धन्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्धजनिक सूचना सं. 146-आई टी सी (पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1991

विषय :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ)
द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड की बेसिन त्रिज
गैस टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11.450
बिलियन येन के लिए 27-3-90 के येन क्रेडिट ऋण सं.
आई टी सी-62 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात
के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फारम सं. आई टी सी/23(71)/90-93 :—जापान की विदेशी आर्थिक
सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड
की बेसिन त्रिज गैस टरबाइन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए
11.450 बिलियन येन के लिए येन क्रेडिट ऋण के अन्तर्गत उपकरण
और सेवाओं के आयात की लाइसेंसिंग शर्तों पर लागू होने वाली शर्तें इस
सार्धजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं जिन्हें सूचनार्थ अनुसूचित
किया जाता है।

डी.आर. मेहरा, मुख्य निबंधक आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्धजनिक सूचना सं. 146-आई टी सी
(पी एन)/90-93, दिनांक 24-4-91 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ.) द्वारा
विस्तारित तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड की बेसिन त्रिज गैस टरबाइन परियोजना
के क्रियान्वयन के लिए 11.450 बिलियन येन के लिए 27-3-90 के येन
क्रेडिट ऋण सं. आई टी सी-62 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के
आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खंड-1 सामान्य शर्तें

1(1) तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड (टी.एन.ई.वी.) की बेसिन त्रिज
गैस टरबाइन परियोजना की आयात आवश्यकता के विस्तार के लिए
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ.) द्वारा
प्रदान किये गये 11.450 बिलियन येन का ऋण जापान और विकास-
शील देशों जिनमें भारत और ओ.ई.सी.डी. के सभी सदस्य देश
शामिल हैं, के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त
की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुसूच-1 की सूची में
उल्लेख सभी देशों से (भारत सहित) आयात की जा सकती हैं। ये देश
इस ऋण के अन्तर्गत पात्र लोग देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्ही मर्चों और उसी मूल्य के लिए
लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महामहिम विदेशी
विकास बजट में मान्यता द्वारा विशेष रूप से भिन्न करने की गई हो।

इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 12.595 बिलियन येन (लगभग बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई मासिक सूचना सं. 7-आई टीसी (पी एन)/74, दिनांक 8 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सांकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिश्चित मुद्रा विनिमय दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे आलेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आई डी पी-62" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एम/जे सी कोड" होगा। यह कोड तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी सुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-बीमा भाड़े के आधार पर जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक को सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 12.595 बिलियन (लगभग बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि उपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और घाटे की अवधि के लिए वृद्धि दी जा सकती है। घाटे और वृद्धि करने के लिए/या आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन निम्नलिखित किये जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिबन्धन स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जायेगी। भारतीय अधिकारों के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकारों को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किये जायेंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यंत निःशुल्क लागत बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिये जाने चाहिए और के आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिए। बीमा प्रभाव का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये उन त्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिबन्धन हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिबन्धन हस्ताक्षरित त्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकारों को दिये गये आदेश या ऐसे भारतीय अधिकारों द्वारा पृष्ठिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जायेगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा-उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिये जा सकते

हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जायेगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिये वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), तार्थ्य ब्लाक, नई दिल्ली को भेजे जायेंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किये गये संभरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में साख-पक्ष स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और मुख्य रूप से जमा करने प्रादि की स्वीकृति प्रादि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर अवग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के विवरण की अवधि के लिये ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिये:—

"साख-पक्ष की प्राप्ति के बाद—महीने परन्तु अधिक से अधिक—के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलवान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1994 के बाद की न हो।

खण्ड 2—संभरण ठेके का सम्प्रीता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विमोच बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय अधिकारों का कमीशन यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

संविदा का मूल्य ये में (या भारतीय संभरणों के मामले में भारतीय रुपये में) अभिव्यक्त होना चाहिए। कय आदेश और संभरण द्वारा पुष्टि कय आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन विधियों के अनुसार निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 बिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्व महंगा सहित औपचारिक खर्च अन्तर्राष्ट्रीय विविधा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति का पद्धति के अनुदान के लिए ओ.डी.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार की निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्य की रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के

अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र श्री.ई.सी.एफ. को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अग्रणी को मूल्यांकन रिपोर्ट, बोली-कारों की लिए भा. नोटिस और अनुमोदन, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विनिर्दिष्टकरण और ड्राइंग और बोली में संबंधित अन्य दस्तावेज प्रा.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 विधियों के रूप में कम अनुमानित मूल्य के मांग और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए श्री.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है बशर्ते कि निविदाओं के लाट नर्क-समत रूप से विभाजित हों। लेकिन यदि श्री.ई.सी.एफ. अनुमोद करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट यदि उपरोक्त पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) आयातक उपर्युक्त क(1), क(2), (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा श्री.ई.सी.एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को नूतनान उनके नाम में बैंक अक इंडिया, टोकियो द्वारा 1989-90 के लिए श्री.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) में आई.टी.पी.-62 के अधीन खोले गए अपरिचर्त नीय साक्ष्यपत्र का माध्यमसे किया जाना चाहिए। जिसका ब्योरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) संभरक की पत्रिका

संभरक पत्र ज्ञात देशों के राष्ट्रिक या पात्र ज्ञात देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध व्यक्ति होने और पात्र ज्ञात देशों के राष्ट्रिकों से नियंत्रित होंगे।

2(5) अपत्र ज्ञात देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपत्र ज्ञात देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसके लिए बित्तदात किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्साह को प्रति यूनिट का मूल्य मरवार आयात पर आयातित भाग के 50% से कम हो :-

$$\text{आयातित भाग का भाग भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संभरक का जहाज पर्यंत निशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक्स-फैक्टर, मूल्य अपनाया जाएगा)

2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा मांग एवं संभरक की पत्रिका और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख में निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

“मैं, अधोहस्ताक्षर एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला भाग (संभरित पात्र ज्ञात देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं, अधोहस्ताक्षर आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरा जानकारी और विश्वास के अनुसार पात्र ज्ञात देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50% से कम है :-

$$\text{आयातित भाग का भाग भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संभरक का जहाज पर्यंत निशुल्क मूल्य

(जहां एक्स फैक्टर मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षर एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) पात्र ज्ञात देशों का नाम में समाविष्ट

और पंजीकृत है और (संबंधित पात्र ज्ञात देशों का नाम) के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।”

खण्ड—3 संभरण ठेकों में निम्नलिखित समाविष्ट की जाने वाली थीं

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और आपान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट में आई.टी.पी.-62 (परियोजना सहायता) से संबंधित 27 मार्च, 1990 को हुए अण समझौते के अनुसार होना चाहिए और वह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और आपानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट में आई.टी.पी.-62 से संबंधित 27-3-90 को हुए अण समझौते के अंतर्गत बैंक अफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिचर्त नीय साक्ष्य पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों का प्रस्तुत करने के लिए सहमत होना जो एक और भारत सरकार द्वारा भोग दूसरी और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन अण के अधीन अधिनि हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तान प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक आपान में स्थित हो तो संभरक मंत्रि का संबंध में एक खारा होना चाहिए कि आपानी संभरक भारतीय हस्ताक्षर टोकियो के परामर्श पर पोस परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय हस्ताक्षर, टोकियो को शामिल भाग को सुपुर्ग के कार्यक्रम से अवगत कराया और पोसपरवान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय हस्ताक्षर को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहां भारतीय आयात इच्छुक हो, सूचना को इस अवधि को कम किया जा सकता है। आपानी संभरक को प्रत्येक पोसपरवान के पञ्चान आवश्यक ब्योरे देते हुए तार में सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसका एक प्रति भारतीय हस्ताक्षर, टोकियो को भेजा जाना चाहिए।

खण्ड 4 ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके देने की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी की पत्रके आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की जाण प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा निखित में पृष्ठ आवेदन के साथ हां या उनकी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित आर अनुबन्ध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग की भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उसकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से आलोचना करने पड़े।

4(3) थित मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए ओ.ई.सी.एफ. को भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र

जारी करने के लिए आवेदन" की प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो और सी.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड 5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख पत्र क्रिया विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर गहायता लेखा मया लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को सम्बोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाख संबंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अनिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की शर्तों और ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय की पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.), भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संबंधित संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलक्षण कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज व्यवस्थित पाए जाने पर बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि की विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगी और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा। ठेका मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1%) के बराबर धनराशि प्राप्त होने पर विदेशी आर्थिक सहयोग निधि बचनबद्धता पत्र जारी करेगा विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा स्वयं अपने ऋण/निधियों से इस धनराशि का भुगतान किया जाएगा। विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना मिलने पर आयातक को इस बचनबद्धता पत्र के प्रभार के बराबर रुपये भारत सरकार के लेखे में जमा करना होगा। आयातक को चालू वरों पर विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के भुगतान की तारीख से लेकर रुपये जमा करने की तारीख तक (दोनों तारीखों को मिलाकर) के ब्याज का भी भुगतान करना होगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के अंतर्गत भी 0.1% का इसी प्रकार का खर्च नुकाया जाना है।

5(क) साख पत्र खोलने उसके अधीन वेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हों, तीनों आयातक संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ई.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को अदायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे की प्रभारित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों में माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम की मौजबंदी के लिए क्रियाविधि ऋण समर्पित संयुक्त प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को परामर्श पोत परिवहन दस्तावेज रजिज होने से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए वेन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 19% प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप में रुपया जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 1031-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) 83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को घलन से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत-परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्ति को रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए वेन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अस्तर्गन सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्रागे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्व कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को प्रागे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त

रूपया निक्षेप किया जाएगा वह "क" डिपॉजिट्स एण्ड ऐडवांसिज—8443—सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परमैजिज एटसदरा ब्रबाड परमैज ब्रण्डर कैडिट्स/नोन एप्रिमेंट्स" लोन फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 11.450 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी—62 फार दो बेसिन त्रिज गैस टरबाइन प्रोजेक्ट आफ टी एन ई बी होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कॉने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथानिर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद मात विनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो [वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। जानान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132—आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ध्ये" निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :-

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का माध्य दे हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :- भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियों से अदायगी की सूचना और पराक्राम्य पोतलवान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रहति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृच्छाकन करना चाहिए और अपेक्षित "एन" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हों।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व

नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियों द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूर्ण की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध—2 में "भुगतान की शर्तों" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदेण

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी—62 के अधीन सभी आधारों को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिप्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिप्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की मूर्धा

- | | |
|--------------|--|
| 1. अनुबन्ध—1 | पात्र स्त्रोत देशों की सूची। |
| 2. अनुबन्ध—2 | प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध। |
| 3. अनुबन्ध—3 | प्राधिकार पत्र का प्रपत्र। |
| 4. अनुबन्ध—4 | साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)। |
| 5. अनुबन्ध—5 | साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)। |

उपाबन्ध—1

पात्र श्रोत-देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

बंगोला
बेनिन
बीतस्वाना
बुरुंडी
केमरोन
कैप बड़े द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
ज़ांब
कोमारों प्राइलैण्ड
कांगो, राहामें का गणतंत्र
इक्वेटोरिय गिनी (1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
ग्राइवरी कोस्ट
केन्या
नेसीथी
लाइबीरिया
मलागासी गणसंघ

मालावी
माली
मारिटिनिया, मारिशस
योजाम्बिक
सैंटहेलना और जेप (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे निओन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैंड
टेरो, अफर्स और इरा
टोगो
युगान्डा
लंजानिया गणतंत्र संघ
अपर बोल्डा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

4. अमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय

अहामा
बरमुडा
बारबडोस
बेली
कोस रीकर
क्यूबा
डामिनिकन गणतंत्र
एल सल्वाडोर
गुडान्य
रवामासा
हैटेट
होडरस
जमैक
मारैटनिको
ट्रिनिडाड और टोबागो।

पीरू
सूरीनाम
यूसुबे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब एमीरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनवादी का बी.आर. (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान
बंगला देश
भुटान
बर्मा
भारत मालदीव
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

रूनी
हांग कांग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
माओस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
थाईलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणतंत्र
वियतनाम जनवादी गणतंत्र

8. ओसिनिया

कुक द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और एल.हंस द्वीप
फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)
नारु न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिडिस (अ और फ.)
नियु
पैलीफिक द्वीप-समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पपुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (फ.)
टोगा
वासिस और फुसुमा
पश्चिमी सामोआ

9. यूरोप

नाइप्रस.

- (1) गहले स्पेस गिनी का प्रदेश, फरनाडो पो द्वीप सहित।
- (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित:—एस्कैनियन ट्रिस्टण्डी एनएम्सेसबलस, नाइटिनेगल, यफ.
- (3) मुख्य द्वीप समूह, अशबा, बोनाइरे, क्यूरा काओ, ताहा सेन्ट
3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय
वेस्टइन्डीज (गाळा) एन. अर्थोव् :
- अ. सह-सम्बन्ध राज्य (1)
- ख. आश्रित (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराग्वे

जिब्राल्टर
ग्रीस
माल्टा
स्पेन
तुर्की
यूगोस्लाविया

यूनाइटेड किंगडम
संयुक्त राज्य अमेरिका

उपबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

प्रावधान-पत्र

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगवा, बोमिनिगा, ग्रेनेडा, सेंट विट्स (सेंट क्रिस्टोफो) नेविस-ग्रंगराना, सेंट लुसिया और सेंट ब्रिसेट।
- (2) मेन ग्राइलैण्ड, मोल्सेसन, मेमान तुर्क और काइकोस और ब्रिटिश धरजिम द्वीप समूह।
- (3) अजमल, बुबई, फुजीराह, रास अलखेमाह, शरजाह और अन्य माल बहैरायन।
- (4) घबन और विभिन्न सलतनत और अमीरा तम्सहित।
- (5) सोमाहरी आई लेण्ड समूह (ताहिनी सहित) को शामिल करते हुए आस्टल द्वीप समूह, दुआमोट-कौमिकयर ग्रुप और मारकोस द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मेरिमा द्वीप समूह (ग्राम को छोड़कर)

(क-2) ओ.पी.ई.सी. के सदस्य या सहयोगी देश

1 अल्जीरिया
बोनिशिया
नीबियाई अरब गणराज्य
गैबोन
ताइजीरिया
इक्वेडोर
बेन्जुअला
ईरान
ईराक
कुवैत
कतार
साउदी अरब
आब-घाबी
इस्रोनेशिया

क. ओ.ई.सी.ओ. देश

2 आस्ट्रेलिया
बेलाजियम
कनाडा
डेनमार्क
फिनलैंड
फ्रांस
जर्मन संघ गणराज्य
ग्रीस
आइसलैण्ड
इटली जापान
आर्पान
लक्जमबर्ग की मोरर वीण्ड
न्यूजीलैण्ड
नार्वे
पुर्तगाल
स्पेन
स्वीडन
[स्विटजरलैंड]
टर्की

संख्या

दिनांक

सेवा में,

महायुता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय: -- येन क्रेडिट में, आई डी पी (1988 के लिए
परियोजना सहायता) के अंतर्गत
..... में का आयात।

महोदय,

उपर उल्लिखित येन क्रेडिट में, आई डी पी (परि-
योजना सहायता) के अधीन से के
आयात के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो
कि सही होत, चाहिए, जो नीचे (अ) में सम्बन्ध विदेशी संभरक के नाम
में साक्ष्यपत्र खोलने के लिए दिया गया है के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी
करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करते हैं --

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख
जिस तक वैध है।(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे क्रय
पर आधारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर
आधारित है। इसके मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट
करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी
प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ.) माल का उद्गम देश।

(च) यदि कोई हो, तो माल से इतर ओर देशों में आयातित
संघटकों का प्रतिफल।(छ) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा
मूल्य (येन में)।(ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन के धनराशि
(येन में)।(झ) वार्षिक जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य
(येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।(झ) विदेशी के संभरकों के माप की गई संविदा को संभरा एवं
दिनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।

(ठ) वे भुगतान शर्त और संभावित तिथियां जिनको संविदा के
अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां।

(ढ) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत
किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका
निपटारा दिखाने हुए)।

- (ग) पोतलवान अनुदेश (वाहतान्तरण/पार्टिशियेट) की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (घ) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (ङ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संबिधा (संबिधाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संबिधा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।
- (च) क्या साख्यपत्र के संवाहन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंक खर्चे आयातक द्वारा/या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।
- (छ) आयातक द्वारा बतलवचना :—इस पत्रद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देने हैं। प्रत्येक निक्षेप, मात्र (आयातित सामग्री) की सुपुर्वाही लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के सम्बन्धित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी प्रदायगी करने ही विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निक्षेप कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

उपबन्ध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रथम सं.)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राथमिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय :— येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई. डी.पी. के अधीन आयात साख्यपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

[द्वितीय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न अग्रे के अनुसार संबंधी के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिजर्तनीय साख्यपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख्यपत्र के प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पुष्ठांकित की जाए।

3. साख्यपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि में किया जाएगा। आप ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक वस्तावेज भेजकर, किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करेंगे।

4. विदेशी संभरक को प्रदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पता) जून-नोवम्बर वस्तावेज (विनिमय), प्रतिरिक्त पूर्ण वस्तावेजों के सैट के साथ तथा संभरक की की गई प्रदायगी की नामें उलाने की सूचना, तत्काल प्रदायगी, यदि कोई की गई, तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से आई.ई.टी.एफ. द्वारा आपको उनकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य ब्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्चें जिसमें साख्यपत्र खोलने रखरखाव करते और साख्यपत्रों के संचालन करने और सेवा संबंधी वस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्चें भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. में नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साख्यपत्र खोलने के लिये है। साख्यपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे भविष्य में साख्यपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र सं. दिनांक के संभव में।

उत्तसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनिमय वस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप आवि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से समू पोतलवान वस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक। यह आयात लाइसेंस सं. दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आवेशों की देखें और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई करें।

2(2) उत्तसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो प्रांच से वस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113—आई टी सी (पीएन)/88-91 दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज जो

कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पीएन)/83 दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाणिक निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट विंग जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

बे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68—233 आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 183-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा करता है। "के डिपॉजिट एण्ड एडवांस 8443 निवल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्टा अत्राउ अन्डर परचेजिंग अन्डर क्रेडिट/लोन एपीमेंट्स" लोन फ्राम द गवर्नमेंट आफ जापान 11.450 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई. डी पी/ 62 फार. 1989-90 है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उन्हें द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जानी चाहिए, जिसके साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अग्रप्रेषण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

बी बिंग, 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली।

जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दशाना हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्योरा हम विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान की तारीख

संभरक को भुगतान करने की तिथि और श्री. ई. सी. एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभाव बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

3. निदेशक ऋण विभाग-2 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि टाकेवासी गोडो बिल्डिंग, 4-1 ओहटेमासी-1, कोमे, शियोडा-कू, टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य-विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

प्रपत्र श्री. ई. सी. एफ. एल. सी. -1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(मान के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (ऋण) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. _____ दिनांक _____ के अनुमरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बौजर्क मूल्या के लिए आपके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है जो _____ (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पीत परिवहन निबन्ध सदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सैट हो, ब्लेक पृष्ठांकित एवं चिन्हित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलदान (माल के लक्षण का संक्षिप्त विवरण) की प्रमाणित करने हुए संविदा सं. _____ (यदि कोई हो) के संदर्भ में _____ से _____ तक आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनान्तरण स्वीकृत है। सदान बिल _____ तक बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट _____ तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ दिनांक _____ के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं. _____ संख्याएं (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरण नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपूर्दी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टर एण्ड प्रेक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इण्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा _____ को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक/संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,

()
वाणिज्यिक बैंक
द्वारा

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबन्ध-5

प्रपत्र ओ. ई. सी. एफ. एस. सी. -2

अपरिवर्तनीय साख-पत्र
(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

यह साख-पत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग
निधि के बीच हुए

ऋण करार सं
..... दिनांक

के अनुसरण में जारी किया गया है।

(संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित
मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम
जिसकी कुल धनराशि (येन से अधिक नहीं है) के
लिए आवेदन के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं
खोल दिया है।

इसमें इसके माथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित
परियोजना के संबंध में ठेका सं से संबंधित दस्तावेज होने
चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए
जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं
के अन्तर्गत जारी लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का
अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को
दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह
क्रेडिट "यूनिफार्म" कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974
रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स बीयर नं. 290 के अधीन
है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :—

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत
अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पावन के मूल विवरण की प्राप्ति
के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में
निर्धारित भुगतानों के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के
मानले में उपर्युक्त निष्पावन के विवरण के बजाय हिताधिकारी का
विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए
वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के
भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाव. हम लेन-देन करने वाले
बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि
परिवर्तित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त भव-1 में यथाउल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति
और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साख-पत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्चें धायातकों/संभरकों
के खाते में देय हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख-पत्र सं का
एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है। अपेक्षित
दस्तावेज : हिताधिकारी का विवरण

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :—

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन

जो कुल संविदा का मूल्य प्रतिशत है जिसका
भुगतान निम्न प्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येन

दूसरी किस्त, येन

अपेक्षित दस्तावेज :

(ऋण अथवा उसके मनोनीत
प्राधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पावन के
विवरण की एक प्रति जिसका एक
प्रपत्र संलग्न है।

निष्पावन का विवरण

दिनांक :

संबंध :

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संबंध :—ऋण करार सं के अन्तर्गत
..... परियोजना से संबंधित के
नाम के येन के लिए द्वारा
जारी किए गए साख-पत्र की सं
दिनांक (ऋणी) का प्रतिनिधित्व
करते हुए मैं अधोहस्ताक्षरी, और के
बीच संविदा सं दिनांक में
निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक
सहायता निधि द्वारा येन की
धनराशि (..... येन मात्र) प्राप्त करने के

लिए को प्राधिकृत करने के लिए
निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णित
जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साख्यपत्र सं का
एक अविभक्त अंग हैं।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि नये

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे, पूर्ण
भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 146-ITC(PN)/90-93

Dated : New Delhi, 24th April, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import
of equipment and services under the Yen
Credit Loan No. ID-P.62 dated 27-3-1990
for Yen 11.450 Billion for the imple-
mentation of The Basin Bridge Gas Tur-
bine Project of the Tamil Nadu Electri-
city Board extended by the OECF of
Japan.

File No. IPC/23(71)/90-93.—The terms and
conditions governing the licensing conditions for im-
port of Equipment and Services under the Yen Credit
Loan for Yen 11.450 Billion for the implementa-
tion of the Basin Bridge Gas Turbine Project of the
Tamil Nadu Electricity Board extended by the
Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of
Japan, are contained in the Appendix to this Pub-
lic Notice and are notified for information.

D. D. MEHTA, Chief Controller of Imports & Ex-
ports & APPENDIX TO THE MINISTRY OF
COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 146 ITC(PN)/
90—93, DATED—24-4-91.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF
IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES

UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.62
DATED 27-3-90 FOR YEN 11.450 BILLION FOR
THE IMPLEMENTATION OF THE BASIN
BRIDGE GAS TURBINE PROJECT OF THE
TAMIL NADU ELECTRICITY BOARD EXTEN-
DED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPE-
RATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen credit of yen 11.450 billion exten-
ded by the Overseas Economic Cooperation Fund of
Japan (OECF) for financing the import require-
ments of the Basin Bridge Gas Turbine Project of
TNEB is untied in favour of Japan and developing
countries including India and all member countries
of OECD. Accordingly the goods and services to be
procured under this credit can be procured from
Japan and all countries (including India) enumerated
in the list at Annexure-1 which will be eligible
countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can
be issued only for such items and for such value as
have been specifically cleared by the DTD/CG
Committee. The value of import licence(s) issued
under this credit should not exceed yen 12.595
billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be
determined with reference to the Exchange rate noti-
fied by the Department of Revenue (Customs) and
prevailing on the date of issue of the import licence
and indicated in the body of the import licence(s) as
per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74
dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E,
which also enjoins that the Customs Authorities and
the authorised dealer in foreign exchange will make
debits to the value of the licence(s) at the exchange
rate specified on the import licence(s). The licence
will bear the superscription "Japanese Yen Credit No.
ID-P.62". The first and second suffix to the licence
code will be "SJC". This will also be repeated in
the letter from CCI&E forwarding the import licence
to TNEB a copy of which should be endorsed to the
Ministry of Finance, Department of Economic Affairs,
Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in
favour of TNEB on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer
more than one import licence may be issued under
this credit, but the total value must not exceed Yen
12.595 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import
licence, may on application by importer, be granted
up to a further period of 12 months. Any request for
further extension/issue of a fresh import licence may

be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupee to the agent in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-1 and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm order" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licence should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communicating to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows.

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplement stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. IFp. 62 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Eligibility of Supplier.—The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made; provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula.

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100 \\ \text{Supplier's FOB Price}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in.....(name of eligible source country)."

The undersigned, further certify that to the best of my, informations and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula.

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100 \\ \text{Supplier's FOB Price}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—(name of eligible sources country), and is controlled by nationals of—
(name of eligible source countries concerned)".

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P.62 (Project Aid) for Basin Bridge Gas Turbine Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.62 dated 27th March, 1990 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vi) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF : IV(i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import license and two copies of the "Request for issue of L.A" in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of good, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charge payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V. (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest

charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @12 per cent per annum for the first 30 days and @18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the dated payment by the Bank of India, Tokyo to the overseas Supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas suppliers and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976, and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83-dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 113 ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import Licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan 11.450 Billion Yen Credit No. ID-P 62 for the Basin Bridge Gas Turbine Project of TNEB.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand

corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importers Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII-Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licence should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Suppliers before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions instructions orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) no. ID-P. 62 with the Overseas Economic Cooperative Fund of Japan (OECP).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure-I List of eligible source countries

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of credit (Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

- I. AFRICA, North of Sahara
 - Egypt
 - Morocco
 - Tunisia
- II. AFRICA South of Sahara
 - Angola
 - Benin
 - Botswana
 - Burundi
 - Cameroon
 - Cape Verde Islands
 - Central Africa Rep.
 - Chad
 - Comoro Islands
 - Congo, People's Republic of Dahomay
 - Equatorial Guinea (1)
 - Ethiopia
 - Gambia
 - Ghana

| | | | |
|------|---------------------------|-------|----------------------------|
| | Guinea | | Falkland Islands |
| | Ivory Coast | | French Guiana |
| | Kenya | | Guyana |
| | Lesotho | | Paraguay |
| | Liberia | | Peru |
| | Malagasy Republic | | Surinam |
| | Malawi | | Uruguay |
| | Mali | | |
| | Mauritania, Mauritius | V. | ASIA, Middle East |
| | Mozambique | | Bahrain |
| | Niger | | Israel |
| | Portuguese Guinea | | Jordan |
| | Reunion | | Lebanon |
| | Rhodesia | | Oman |
| | Rwanda | | Syrian Arab Republic |
| | St. Helena and dep (2) | | United Arab Emirates (3) |
| | Sao Tomé and Príncipe | | Yemen Arab Republic |
| | Senegal | | Yemen, People's D.R. (4) |
| | Seychelles | VI. | ASIA, South |
| | Sierra Leone | | Afghanistan |
| | Somalia | | Bangladesh |
| | Sudan | | Bhutan |
| | Swaziland | | Burma |
| | Tervo, Afars and Issas | | India |
| | Togo | | Maldives |
| | Uganda | | Nepal |
| | Un. Rep. of Tanzania | | Pakistan |
| | Upper Volta | | Sri Lanka |
| | Zaire Republic | VII. | ASIA, Far East |
| | Zambia | | Brunei |
| III. | AMERICA, North end | | Hong Kong |
| | Cont. | | Khmer Republic |
| | Bahamas | | Korea, Republic of |
| | Barbados | | Laos |
| | Belize | | Macao |
| | Bermuda | | Malaysia |
| | Costa Rica | | Philippines |
| | Cuba | | Singapore |
| | Dominican Republic | | Taiwan |
| | EL Salvador | | Thailand |
| | Guadeloupe | | Timor |
| | Guatemala | | Viet-Nam, Rep. of |
| | Haiti | | Viet-Nam, Dem. Rep. |
| | Honduras | | |
| | Jamaica | VIII. | OCEANIA |
| | Martinique | | Cook Islands |
| | Meixco | | Fiji |
| | Netherlands Antilles | | Gilbert & Ellice Is. |
| | Nicaragua | | French Polynesia (5) |
| | Panama | | Nauru |
| | St. Pierre & Miquelon | | New Caledonia |
| | Trinidad and Tobago | | New Hebrides (Br. and Fr.) |
| III. | AMERICA, North & Central | | Niue |
| | West Indies (Br.) n.l.e. | | Pacific Islands (US) (6) |
| | (a) Associated States (1) | | Papua New Guinea |
| | (b) Dependencies (2) | | Solomon Islands (Br.) |
| IV. | AMERICA, South | | Tonga |
| | Argentina | | Wallis and Futuna |
| | Bolivia | | Western Samoa |
| | Brazil Chile | | |
| | Colombia | IX. | EUROPE |
| | | | Cyprus |
| | | | Gibraltar |
| | | | Greece |
| | | | Malta |
| | | | Spain |
| | | | Turkey |
| | | | Yugoslavia |

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

1. Main Islands: Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
the United Kingdom and
the United States.

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date:

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

1127 GI/91—3

Sub . Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. ID-P. _____ (Project Aid for
199—9)

Sir,

In connection with the import _____ from _____
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. _____
(Project Aid) we furnish the following particulars to enable
you to issue the Letter of Authority to the _____
(Name of the Bank) which should be the same as given in
(p) below for opening a letter of credit in favour of the
overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier:
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals,

the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE—III
(Letter of Authority Form)

No. F.
Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P.-----Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen-----favouring M/s.----- as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ----- (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto-----

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer-----with reference to their letter No.-----dated-----.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Bankers..... This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii). They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payments to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the dates i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443 Civil

Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements”—Loans from the Government of Japan 11.450 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 62 for 1989-90.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Othemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV
Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

To _____ This letter of Credit has been
issued pursuant to Loan
Agreement No. _____
Dated _____
between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents,

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any)

from _____ to _____. Partial shipments are permitted. Transshipment is _____ permitted Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____ All Drafts and documents under this credit must be marked.

"Drawn under _____ irrevocable credit No. _____, dated _____ and import Reference No.(s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practices for documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airtailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

_____ (a commercial bank)

By : _____
(Authorized Signature)

ANNEXURE—V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

To _____

Date:

_____ This Letter of Credit has been
issued pursuant to Loan Agree-
ment No. _____
dated _____,
(Name and address of the between (Borrower) and THE
Supplier) OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: _____
(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount: _____
being _____% of the total contract price
Required documents: beneficiary's Statement
Latest presentation date: _____

II. Progress Payment

Aggregate amount: _____
being _____% of the total contract price
to be paid as follow
Amount due Latest presentation

1st Instalment: _____
2nd Instalment: _____

Required document: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date: _____

Ref. No. _____

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____, dated _____
issued by _____
for _____ in favour of _____
concerning _____ Project under Loan
Agreement No. _____.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of _____ (yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____.

(Borrower)

By: _____

(Authorized Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount: _____
being _____% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: _____

II. Intermediate Payment (if any)

Amount: _____
being _____% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: _____

III. Payment against Shipping Documents

Amount: _____
being _____% of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.